Ramanathashtakam 2

रामनाथाष्टकम् २

Document Information

Text title : rAmanAthAShTakam 2

File name : rAmanAthAShTakam2.itx

Category : shiva, aShTaka

Location : doc_shiva

Author : Bhadragiri Achyuth Das Ji

Description/comments : Shri Kuladevata Bhakti Sudha | Shri Shankar Shanbhogue, Kuladevata Temple is at Ramnathi, Ponda, Goa. Sung by Shankar Shanbhogue

Latest update : January 29, 2019

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

August 30, 2023

sanskritdocuments.org

Ramanathashtakam 2

रामनाथाष्टकम् २

रामनाथ नमोऽस्तुते जय सुन्दराङ्ग नमोऽस्तुते ।
नीलकण्ठ नमोऽस्तुते जय रक्ष मां शरणागतम् ॥ ध्रु.॥

कोटी सूर्यसमानकान्ति सुशोभितानन मण्डलं
कञ्जलोचनमद्भुतं सुरपुष्पहारमगोचरम् ।
क्षीरसागरमन्थनोत्कट घोरविषसंसेवितं
रामनाथ विलोलताण्डव नर्तनप्रिय रक्ष माम् ॥ १॥

दक्षयागविघातकं शिवमीप्सितार्थप्रदायिनं
भस्मरागविभूषितं नवबिल्वपत्रसमर्चितम् ।
देवतासुरवन्दिताङ्घ्रितरोरुहं परमेश्वरं
रामनाथ विलोलताण्डव नर्तनप्रिय रक्ष माम् ॥ २॥

नारदादिमुनीन्द्रगाथित रम्य पुण्यकथानकं
वेदगम्यमनामयं गजवक्रषण्मुखमण्डितम् ।
लोचलत्रयमुग्रतेजसमुद्भवं त्रिपुरान्तकं
रामनाथ विलोलताण्डव नर्तनप्रिय रक्ष माम् ॥ ३॥

कृत्तिवासकमुत्तमं घनकारजं घ्रतुवाससं
भक्तकष्टनिवारकं वृषयानकम्यजनायकम् ।
सर्वमृत्युभयापहं दुरितापहं भवतापहं
रामनाथ विलोलताण्डव नर्तनप्रिय रक्ष माम् ॥ ४॥

रुण्डमालिनमन्धकान्तगमाशुतोषमनिन्दितं
मृत्युभीतमृकण्डुबालकपालकं वरदायकम् ।
भानुवंशललामराघव पूजितं प्रमथार्थिकं
रामनाथ विलोलताण्डव नर्तनप्रिय रक्ष माम् ॥ ५॥

शीलराजविहारिणं करशूलडमरुगधारिणं

शैलजाश्रितचारुबामशरीरिणं सुमनोहरम् ।
शैलतुल्य सुकेशिरं भवमष्टमूर्तीमनागतं
रामनाथ विलोलताण्डव नर्तनप्रिय रक्ष माम् ॥ ६॥

रागभोगसुदूरभासुरनादहारजटाधर
कम्भुगन्धर चन्द्रशेखर मारहरगङ्गाधर ।
वन्दिताखिल लोकवैभव शर्व भैरव श्रीकर
रामनाथ विलोलताण्डव नर्तनप्रिय रक्ष माम् ॥ ७॥

दुःखतरसंसारसागरकारणैक सुखाश्रयं
देवकेपदपङ्कजं परमाश्रये करुणाम्बुधे ।
दोषपूरितमादरात्क्षणु दोषहर जगदीश्वर
पुष्टिवर्धन तुष्टिवर्धन तावकं परिपालय ॥ ८॥

श्रीनिवासतनूज कीर्तितमष्टकं तव तुष्टये
ये पठन्ति निरन्तरं खलु प्राप्नुवन्ति मनोरथम् ।
त्वां विराममनार्ति शङ्कर भूतले यदिरन्यथा
धीरवत्सल मां न विस्मर रामनाथ कृपां कुरु ॥ ९॥

इति रामनाथाष्टकं सम्पूर्णम् ।

A humble offering to the lotus feet of
Shri Ramanath Panchishta Devata

Ramanathashtakam 2
pdf was typeset on August 30, 2023

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*